

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय
वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह
ता:-१०/०९/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

श्लोक९.

स भग्नधन्वा विरथो हताश्वो हतसारथिः।

अङ्केनादाय वैदेहीं पपात् भुवि रावणः॥

अन्वयः

(ततः)भग्नधन्वा विरथःहताश्व हतसारथिःसः रावणः

वैदेहीं अङ्केन आदाय भुवि पपात् ।

शब्दार्थाः

भग्नधन्वा - टूटे हुए धनुष वाला , विरथः - रथ से रघहित

हताश्वः-मारे हुए घोड़ों वाला , भुवि - भूमि पर

हतसारथि - मारे सारथी वाला , अङ्केन - गोद से

आदाय - लेकर , वैदेहीं - सीता को ,पपात् - गिर पड़ा

अर्थ- (तब) टूटे हुए धनुष वाला ,रथ से विहीन ,मारे गए घोड़ों व

सारथि वाला वह रावण सीता को गोद में लेकर भूमि पर गिर पड़ा।